जाति जनगणना

सन्दर्भ: बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जवाब देते हुए भारत सरकार ने कहा कि जनगणना कराने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है।

- विगत 28 अगस्त को भारत सरकार ने बिहार के जाति-आधारित सर्वेक्षण के बारे में सुप्रीम कोर्ट के सवाल का जवाब दिया।
- केंद्र ने 1948 के जनगणना अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि जनगणना कराने का कानूनी अधिकार केवल उसके पास है।
- जनगणना का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची में प्रविष्टि 69 के तहत संघ सूची में शामिल है।
- केंद्र ने संविधान और कानूनों के अनुसार हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

जाति जनगणना

- जाति जनगणना में जाति के आधार पर वर्गीकृत भारत की जनसंख्या को व्यवस्थित रूप से दर्ज करना शामिल है।
- अंतिम जाति जनगणना 1931 में आयोजित की गई थी, जिसे 1941 में ब्रिटिश सरकार ने वित्तीय कारणों से रोक दिया था।
- अन्य जातियों को छोड़कर, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) पर डेटा 1951 से अलग से प्रकाशित किया गया है।
- सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) 2016 में आयोजित की गई थी, लेकिन सार्वजनिक रूप से इसका खुलासा नहीं किया गया था।
- SECC 2016 का प्रबंधन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण विकास मंत्रालय और शहरी क्षेत्रों में आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय द्वारा किया गया था।

SECC और जाति जनगणना के बीच अंतर

Aspect	Socio-Economic Census (SECC)	Caste Census
Conducted Focus	Across all households	Specific community
Purpose	Identify state support	Portrait of caste population
Data Confidentiality	Not confidential	Confidential
Data Availability	Available on the website	Not available publicly
Last Conducted	Conducted regularly since 1931	Conducted regularly since 1931

अदीस अबाबा घोषणा

संदर्भ: हाल ही में 54 देशों ने भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण और सूखे की पर्यावरणीय चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अदीस अबाबा घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए।

- अफ्रीकी पर्यावरण मंत्री ने महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के निष्कर्षण और प्रसंस्करण के दौरान पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय रणनीतियाँ स्थापित करने पर अपनी सहमति व्यक्त की है।
- अफ्रीका महाद्वीप इस समय कई चुनौतियों से जूझ रहा है क्योंकि कई देश, विशेष रूप से चीन, अफ्रीका के खनिज संसाधनों की तलाश कर रहे हैं।
- 18 अगस्त, 2023 को की गई अदीस अबाबा घोषणा में भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण और सूखे जैसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।
- यह घोषणा इथियोपिया के अदीस अबाबा में 14 से 18 अगस्त तक आयोजित पर्यावरण पर 19वें अफ्रीकी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एएमसीईएन) 2023 से सामने आई।
- इस सम्मेलन का विषय था "अफ्रीका में पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए अवसरों का लाभ उठाना और सहयोग बढ़ाना।"
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने एएमसीईएन 2023 के दौरान उत्पादक संवादों और चर्चाओं की सूचना दी, जो चुनौतियों का सामना करने और उभरती संभावनाओं को भुनाने के लिए संयुक्त रणनीति तैयार करने पर केंद्रित थीं।

लक्ष्य और उद्देश्य

- **पर्यावरणीय चुनौतियाँ**: जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, समुद्री संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक पूंजी पर तत्काल कार्रवाई करना।
- **वैश्विक लक्ष्य**: जलवायु परिवर्तन को कम करना, पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना और सतत विकास को बढ़ावा देना।
- **जैव विविधता ढांचा**: अद्यतन राष्ट्रीय रणनीतियों और लक्ष्यों के माध्यम से कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे को लागू करना।
- **जैव विविधता वित्त**: $700 बिलियन वार्षिक जैव विविधता वित्त अंतर को कम कर अंतर्राष्ट्रीय प्रवाह बढ़ाना।
- **विकास सहायता**: 2025 तक विकासशील देशों में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रवाह को 20 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष तक बढ़ाना, वैश्विक स्तर पर इसे 100 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष तक लाने का लक्ष्य।
- **अफ्रीका ब्लू इकोनॉमी**: अफ्रीकी संघ की अफ्रीका ब्लू इकोनॉमी रणनीति को प्राथमिकता देना।
- **अफ्रीका संयुक्त राष्ट्र मंच**: 17 अगस्त, 2023 को अफ्रीका संयुक्त राष्ट्र विज्ञान-नीति-व्यवसाय फोरम का शुभारंभ किया गया।
- **अफ्रीका की प्राथमिकता**: जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण को संबोधित करते हुए अफ्रीका सतत और समावेशी आर्थिक परिवर्तन पर ध्यान दे रहा है।
- **विषयगत चर्चा**: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा में अफ्रीकी देशों को शामिल करना, प्लास्टिक प्रदूषण को संबोधित करना, मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना।
- **COP 28 प्राथमिकताएँ**: COP28 के मनोनीत राष्ट्रपति विशेष रूप से अफ्रीका में अनुकूलन वित्तपोषण और ऊर्जा परिवर्तन पर जोर देते हैं।

एक्स-रे इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन

सन्दर्भ: जापान ने अनिर्दिष्ट कारणों से एक्स-रे टेलीस्कोप और मून लैंडर का प्रक्षेपण तत्काल रद्द कर दिया है।

- **मिशन अवलोकन:**
  - XRISM एक सहयोगी मिशन है जिसमें JAXA, NASA, ESA और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी शामिल हैं।
  - इसका लक्ष्य गहरे अंतरिक्ष से एक्स-रे का निरीक्षण करना और उनकी तरंग दैर्ध्य की सटीक पहचान करना है।

- **अवलोकन तकनीक:**
  - यह मिशन विभिन्न तरंग दैर्ध्य में आकाशीय पिंडों की चमक में परिवर्तन को मापने के लिए उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करता है।
  - यह 400 से 12,000 इलेक्ट्रॉन वोल्ट तक ऊर्जा स्तर वाले एक्स-रे का पता लगाता है।
  - यह गर्म ब्रह्मांडीय क्षेत्रों, बड़ी संरचनाओं और मजबूत गुरुत्वाकर्षण वाली वस्तुओं के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- **कार्य:**
  - पृथ्वी के परिक्रमण पथ से एक्स-रे वेधशालाओं की तुलना में उच्च रिज़ॉल्यूशन के साथ स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा एकत्र करता है।
  - एक्स-रे प्रभाव पर न्यूनतम तापमान परिवर्तन का पता लगाने के लिए शून्य से ठीक ऊपर शीतलन की आवश्यकता होती है।
- **विस्तार:**
  - एक्स-रे दृष्टि के समान रिज़ॉल्यूशन पर ब्रह्मांडीय छवियों को कैप्चर करता है।
  - रिज़ॉल्व के साथ काम करता है, समान एक्स-रे स्रोतों के व्यापक दृश्य पेश करता है।
- **कार्यक्षमता:**
  - आकाशीय पिंडों के विशिष्ट विवरण का विश्लेषण करने के लिए ज़ूम इन का समाधान करें।
  - Xtend एक बड़े क्षेत्र में एक्स-रे स्रोतों के पूरक दृश्य प्रदान करने के लिए ज़ूम आउट करता है।

SLIM

- जापान का आगामी चंद्र मिशन, एसएलआईएम, महत्वपूर्ण है क्योंकि यह चंद्र सतह पर इस देश का पहला मिशन होगा।
- एसएलआईएम का मुख्य उद्देश्य अत्यधिक सटीक और सटीक चंद्र लैंडिंग तकनीकों का प्रदर्शन करना है।
- अपने लैंडिंग के दौरान, लैंडर चंद्र क्रेटरों की पहचान करने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करेगा और सेलेन (कागुया) चंद्र ऑर्बिटर मिशन के डेटा का उपयोग करके अपनी स्थिति निर्धारित करेगा।
- मिशन का लक्ष्य 100 मीटर (330 फीट) की अभूतपूर्व सटीकता सीमा के साथ सॉफ्ट लैंडिंग करना है।
- इसकी तुलना में, अपोलो 11 के चंद्र मॉड्यूल में डाउनरेंज में 20 किमी (12 मील) चौड़ा और क्रॉस रेंज में 5 किमी (3.1 मील) चौड़ा लैंडिंग दीर्घवृत्त था।
- JAXA इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस के योशिफुमी इनातानी के अनुसार, इस प्रयास में सफलता से अंतरिक्ष अन्वेषण की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि होने की उम्मीद है।
- SLIM को एक्स-रे इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन (XRISM) स्पेस टेलीस्कोप के साथ लॉन्च किया जाना है, जिसका लैंडिंग स्थल 13.3°S, 25.2°E निर्देशांक पर SHIOLI क्रेटर के पास है।

नई दिल्ली- एथेंस द्विपक्षीय संबंध

सन्दर्भ:भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ग्रीस यात्रा के दौरान, देशों ने राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर जोर देते हुए अपने संबंधों को "**रणनीतिक साझेदारी**" में उन्नत किया।

- किसी भारतीय प्रधानमंत्री को ग्रीस का दौरा किए 40 साल हो गए हैं।
- ग्रीस ने मोदी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित किया, जो उसका दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है, जो किसी विदेशी सरकार के प्रमुख के लिए पहला सम्मान है।
- दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।
- उनके बीच कुशल प्रवासन को आसान बनाने के लिए मोबिलिटी एंड माइग्रेशन पार्टनरशिप एग्रीमेंट (एमएमपीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने को प्राथमिकता।
- वैश्विक शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए स्वतंत्र और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता इस रणनीतिक साझेदारी की प्राथमिकता है।

संबंधों के विभिन्न पहलू

- **प्राचीन बातचीत:**
  - चौथी शताब्दी ईसा पूर्व अलेक्जेंडर के अभियान द्वारा बातचीत शुरू की गई।
  - अशोक के शिलालेखों में राजनयिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख है।
  - डेमेट्रियस प्रथम और मेनेंडर प्रथम जैसे शासकों के द्वारा इंडो-ग्रीक युग के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान किया गया था।
- **राजनीतिक संबंध:**
  - 1950 में राजनयिक संबंध स्थापित किये गए थे।
  - नेताओं के बीच उच्च स्तरीय यात्राएँ और सहयोग की चर्चा की गयी।
  - एनएसजी जैसे समूहों में भारत को शामिल करने का समर्थन किया।
- **वाणिज्यिक संबंध:**
  - द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 1.32 बिलियन यूरो है।
  - मुख्य निर्यात में कपास, स्क्रैप और संगमरमर शामिल हैं।
  - थेसालोनिकी अंतर्राष्ट्रीय मेले में भारतीयों की भागीदारी।
  - अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन पर भारत-ग्रीस फ्रेमवर्क समझौता।
- **रक्षा:**
  - रक्षा पर द्विपक्षीय सहयोग और समझौता ज्ञापन।

- संयुक्त सैन्य अभ्यास।

➢ **भू-रणनीतिक महत्व:**

- यूरोप के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में ग्रीस की क्षमता।
- ग्रीस के साथ भारत के संबंधों से तुर्की, अजरबैजान और पाकिस्तान में चिंता पैदा हो रही है।
- भूमध्यसागरीय क्षेत्र में चीन के प्रभाव को प्रतिसंतुलित करना।

➢ **भूराजनीतिक महत्व:**

- कश्मीर और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर ग्रीस का समर्थन.
- संयुक्त राष्ट्र सुधार और साइप्रस मुद्दे जैसी पहलों पर साझा रुख।
- ग्रीस की नाटो सदस्यता और आर्मेनिया के रूस के साथ तालमेल पर विचार।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

एनसीईआरटी में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक

एनसीईआरटी कक्षा VII पाठ्यक्रम में "राष्ट्रीय युद्ध स्मारक - हमारे बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि" नामक एक अध्याय शामिल किया है। रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय ने संयुक्त रूप से इस समावेशन की पहल की।

उद्देश्य:

➢ स्कूली बच्चों में देशभक्ति, कर्तव्य, साहस और बलिदान के मूल्यों को विकसित करना।

➢ राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

लक्ष्य : सैनिकों के बलिदान के प्रति सम्मान सृजित करना।

अध्याय सामग्री:

➢ इसमें राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के इतिहास, महत्व और अवधारणा की पड़ताल की गई है।

➢ इसमें स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों के बलिदान पर प्रकाश डाला गया है।

➢ इसमें सैनिकों के बलिदान के लिए दोस्तों के बीच कृतज्ञता के आदान-प्रदान का रचनात्मक चित्रण है।

ओणम

ओणम केरल का वार्षिक फसल उत्सव है, जिसे सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया जाता है।

सांस्कृतिक महत्व:

➢ इसे थिरु-ओणम या थिरुवोनम के नाम से भी जाना जाता है।

➢ यह केरल में मलयाली समुदाय द्वारा भव्यता के साथ मनाया जाता है।

अवधि: दस दिनों की अवधि में मनाया जाता है, जो आमतौर पर मलयालम महीने चिंगम (अगस्त-सितंबर) में पड़ता है।

अनुष्ठान और परंपराएँ:

➢ अथम, चिथिरा, चोडी, विशाकम, अनिज़म, थ्रिकेटा, मूलम, पूरदम, उथ्राडोम और थिरुवोनम जैसे अनुष्ठान सांस्कृतिक महत्व रखते हैं।

➢ नक्कोडी (नए कपड़े देना) और वल्लमकली (नाव दौड़) जैसी प्रथाएं देखी जाती हैं।

अवसर: हिंदू फसल उत्सव मुख्य रूप से भारत के केरल राज्य में मनाया जाता है।

वल्लम काली (नाव दौड़):

➢ नदियों, विशेषकर केरल के बैकवॉटर में रंगीन नौका दौड़ आयोजित की जाती हैं।

➢ नेहरू ट्रॉफी बोट रेस अलाप्पुझा में एक लोकप्रिय कार्यक्रम है।

पेरेग्रीन फाल्कन

पहचान: यह गति और शिकार कौशल के लिए जाना जाता है, पेरेग्रीन फाल्कन स्लेट-नीले ऊपरी हिस्से और वर्जित निचले हिस्से वाला एक शिकारी पक्षी है।

वैज्ञानिक नाम: फाल्को पेरेग्रीनस

पर्यावास: अंटार्कटिका को छोड़कर विश्व भर में चट्टानों, तटों और शहरी क्षेत्रों में पाया जाता है।

गति: सबसे तेज़ पक्षी, शिकार करते समय (गोता लगाते हुए) 240 मील प्रति घंटे तक पहुँच जाता है।

आहार: मांसाहारी, पक्षियों का शिकार करने वाला, ऊंचाई से गोता लगाकर शिकार करने वाला।

प्रजनन: चट्टानों पर घोंसला बनाते हैं, माता-पिता दोनों अंडे सेते हैं, चूजे 6 सप्ताह में फूल जाते हैं।

संरक्षण: कीटनाशकों के उपयोग के कारण गिरावट आई, परन्तु पुनर्प्राप्ति प्रयासों से संरक्षण में मदद मिली है, कुछ क्षेत्रों में अभी भी चिंता की स्थिति है।

भूमिका: शीर्ष शिकारी, शिकार को नियंत्रित करता है, निवास स्थान के स्वास्थ्य को इंगित करता है।

सांस्कृतिक: बाज़ कला में प्रयुक्त, सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण।

संरक्षण: विश्व स्तर पर कानूनी रूप से संरक्षित।

IUCN लाल सूची स्थिति: कम से कम चिंता का विषय

पीएलआई-ऑटो योजना

पीएलआई-ऑटो योजना क्या है?

पीएलआई-ऑटो योजना का आशय है ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना है।

उद्देश्य:

➢ भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र में विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देना।

➢ उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी उत्पादों के स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना।

लक्ष्य:

➢ सरकार की "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" पहल के अनुरूप।

	➢ भारत को ऑटोमोबाइल और ऑटो घटकों के लिए वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य। **कार्यान्वयन:** भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) **वित्तीय परिव्यय:** इस योजना का बजट ₹25,938 करोड़ है जो ऑटोमोटिव उद्योग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। **महत्वपूर्ण बिंदु:** ➢ यह भारत के भीतर उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों के विकास को प्रोत्साहित करता है। ➢ यह आयात पर निर्भरता कम करने के लिए स्थानीयकरण को बढ़ावा देता है। **प्रभाव:** ➢ इससे ऑटोमोटिव क्षेत्र में उच्च उत्पादन, रोजगार और निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। ➢ वैश्विक स्तर पर भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना।
चंद्र बिंदुओं का नामकरण 	हाल ही में भारत के प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी) ने चंद्र बिंदुओं के लिए नामों की घोषणा की। **चंद्रमा पर शिव शक्ति और तिरंगा:** ➢ चंद्रयान-3 लैंडर के टचडाउन पॉइंट का नाम शिव शक्ति रखा जाएगा। ➢ चंद्रयान-2 लैंडर के "पैरों के निशान" बिंदु का नाम तिरंगा रखा जाएगा। **ऐतिहासिक चंद्रमा मानचित्र:** ➢ 17वीं शताब्दी के आरंभिक चंद्रमा मानचित्रों ने नामकरण संदर्भों की नींव रखी। ➢ इतालवी खगोलशास्त्री ग्रिमाल्डी और रिकसिओली के मारे ट्रैंक्विलिटैटिस ने पहले मानवयुक्त मिशन लैंडिंग स्थल को चिह्नित किया। **बाह्य अंतरिक्ष शासन:** ➢ बाह्य अंतरिक्ष में गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर संधि (1967) द्वारा विनियमित अन्वेषण। ➢ अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) 1919 से ग्रह और उपग्रह नामकरण के लिए जिम्मेदार है। **चीन का उदाहरण:** चीन के चांग'ई 5 मिशन की लैंडिंग साइट का नाम मई 2021 में IAU द्वारा स्टेटियो तियानचुआन रखा गया था। **चंद्रमा पर भारतीय नाम:** ➢ चंद्रयान-1 के मून इम्पैक्ट प्रोब दुर्घटना स्थल का नाम भारत के पहले प्रधानमंत्री के नाम पर जवाहर स्थल रखा गया। ➢ क्रेटर का नाम इसरो के पहले अध्यक्ष विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया था। ➢ अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला को चावला क्रेटर से सम्मानित किया गया।
पानी निकालने वाले वाहन (Dewatering Vehicles) 	**पानी निकालने वाले वाहन:** पानी निकालने वाले वाहन वे विशेष वाहन हैं जिनका उपयोग सड़कों, अंडरपासों और जलभराव और बाढ़ की संभावना वाले अन्य क्षेत्रों से जमा पानी को हटाने के लिए किया जाता है। **कार्यक्षमता:** ➢ ये बड़ी मात्रा में पानी को तेजी से निकालने के लिए पंप और सक्शन सिस्टम से लैस उच्च क्षमता वाले वाहन हैं। ➢ इन्हें छोटे-मोटे मामलों के लिए नहीं, बल्कि बड़ी जलभराव की घटनाओं के समाधान के लिए डिज़ाइन किया गया है। **महत्व:** ➢ ये भारी बारिश और बाढ़ के दौरान व्यवधानों, यातायात की भीड़ और संभावित क्षति को रोकने के लिए आवश्यक हैं। **सहयोग और उपयोग:** ➢ दिल्ली अग्निशमन सेवा ने पानी निकालने वाले वाहनों के लिए अहमदाबाद नगर निगम से सहायता मांगी। ➢ वाहनों को अंडरपास और महत्वपूर्ण सड़कों जैसे जल-जमाव वाले हॉटस्पॉट में रणनीतिक रूप से तैनात किया जाएगा। **प्रमुख विशेषताऐं:** ➢ मजबूत सक्शन क्षमताओं वाले उच्च क्षमता वाले पंप। ➢ बाढ़ के प्रभावों को कम करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया समय। **शहरी क्षेत्रों में महत्व:** ➢ शहरों में पानी से संबंधित व्यवधानों को कम करने, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सुरक्षा की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
K9 स्क्वाड 	**K9 स्क्वाड क्या है?** K9 स्क्वाड पुलिस के भीतर एक विशेष इकाई को संदर्भित करता है जो पता लगाने, ट्रैकिंग और सुरक्षा सहित विभिन्न कार्यों के लिए प्रशिक्षित कुत्तों को नियुक्त करता है। **संघटन:** ➢ इसमें विभिन्न नस्लों के प्रशिक्षित कुत्ते शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास विशिष्ट कौशल हैं। ➢ हैंडलर कुत्तों के साथ जाते हैं और उनके व्यवहार की व्याख्या करने में कुशल होते हैं। **कार्य:** ➢ इनका मुख्य रूप से विस्फोटक का पता लगाने, नशीले पदार्थों का पता लगाने, संदिग्धों पर नज़र रखने और खोज अभियान जैसे कार्यों के लिए उपयोग किया जाता है। **प्रशिक्षण:** ➢ कुत्तों को विस्फोटक या नशीले पदार्थों का पता लगाने जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में गहन प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। ➢ प्रशिक्षण गंध, व्यवहार और संकेतों को पहचानने की उनकी क्षमता को बढ़ाता है।

	विस्फोटक खोजी कुत्ते: ➢ विस्फोटकों और संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित। ➢ भीड़-भाड़ वाले स्थानों, आयोजनों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक। **नशीले पदार्थों का पता लगाने वाले कुत्ते:** ➢ नशीले पदार्थों और अवैध दवाओं की पहचान करने में विशेषज्ञता। ➢ ये नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों का पता लगाने के लिए कानून प्रवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है। **सुरक्षा अनुप्रयोग**: वीआईपी सुरक्षा, महत्वपूर्ण घटनाओं, हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए तैनात।
समाचारों में स्थान **ज़िम्बाब्वे**	हाल ही में, जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा को चुनाव आयोग के अनुसार 52.6% वोट हासिल करके दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया। **भौगोलिक स्थिति:** ➢ यह दक्षिण-मध्य अफ्रीका में स्थलरुद्ध देश है। ➢ इसकी सीमा बोत्सवाना, ज़ाम्बिया, मोज़ाम्बिक और दक्षिण अफ्रीका से लगती है। **राजधानी: हरारे** **राजनीतिक परिदृश्य**: वर्तमान राष्ट्रपति के पुनः चुनाव के साथ हाल ही में संपन्न चुनाव। **भौगोलिक विशेषताओं:** **उच्चतम बिंदु:** माउंट न्यांगानी **करिबा झील:** आयतन के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील, जाम्बिया और जिम्बाब्वे के बीच की सीमा पर स्थित है। **प्रमुख नदियाँ**: ज़म्बेजी, पुंगवे

POINTS TO PONDER

- ❖ **एनसीईआरटी में "बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि" नामक नए जोड़े गए अध्याय में किस स्मारक की अवधारणा पर चर्चा की जाएगी** - राष्ट्रीय युद्ध स्मारक
- ❖ **भारत का पहला सोलर रूफ साइक्लिंग ट्रैक किस शहर में बनाया गया है?** – हैदराबाद
- ❖ **कौन से लैग्रेंज बिंदु सूर्य के निकटतम और सबसे दूर हैं?** –क्रमशः L1 और L2
- ❖ **AUSINDEX का 5 वां संस्करण कहाँ आयोजित किया जा रहा है?** –सिडनी
- ❖ **कुम्भलगढ़ WLS किस राज्य में स्थित है?** –राजस्थान